

प्रेषक

मनोषा पंवार

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

समस्त जिलाधिकारी,

उत्तराखण्ड।

समाज कल्याण अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 3 अगस्त, 2009

**विषय** चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक में जनजाति कल्याण के अंतर्गत अनुसूचित जनजातियों की पुत्रियों की शादी/बीमारी हेतु सहायता तथा हेतु अनुदान संख्या-31 के आयोजनागत पक्ष की विभिन्न मदों में प्राविधानित धनराशि के संबंध में।

महोदय

उपर्युक्त विषयक, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए, मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्ययक में जनजाति कल्याण के अंतर्गत अनुसूचित जनजातियों की पुत्रियों की शादी/बीमारी हेतु सहायता व्यय के अंतर्गत अनुदान संख्या-31 में आयोजनागत के विभिन्न मदों में प्राविधानित धनराशियों में सलग्नक के अनुसार रुपये 15,00,000/- (रुपये पन्द्रह लाख मात्र) की धनराशि (01 अप्रैल, 2009 से 31 जुलाई, 2009 तक के लिए पारित लेखा अनुदान की धनराशि को सम्मिलित करते हुए) को चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 की अवशेष अवधि में वित्त विभाग के उक्त शासनादेश में उल्लिखित एवं निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निवेदन में स्थान देने की श्री राजस्थान महोदय सर्वे स्वीकृति प्रदान करते हैं-

1. विभागाध्यक्ष तथा अन्य नियंत्रक अधिकारियों के निवेदन पर जो धनराशि रखी गयी है वह उनके द्वारा जनपद के आहरण-वितरण अधिकारियों को एक सप्ताह के अन्दर तत्काल अग्रजुक्त करमा सुनिश्चित करें।
2. वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या: 515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 में उल्लिखित समस्त शर्तों एवं दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
3. आयोजनागत/आयोजनोत्तर पक्ष में प्राविधानित अन्य धनराशियाँ हेतु नियमानुसार मांग प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
4. अनुदान के अंतर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की केजिंग (बैलास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशफ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
5. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नए कार्य के क्रियान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
6. यदि किसी योजना/शीर्षक एवं मद में आय-व्ययक 2009-10 में बजट प्राविधान लेखानुदान में प्राविधानित धनराशि से कम हो तो धनराशि आय-व्ययक प्राप्ति के 20 सौम्य तक ही व्यय की जायेगी।
7. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका के अंतर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी को पूर्व स्वीकृति आवश्यक है तो उक्त व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।

8. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहे वह वेतन आदि के संबंध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के संबंध में, सम्पूर्ण मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल स्याही से अनुदान संख्या-31 तथा आयोजनोत्तर/आयोजनागत शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सहो बुकिंग में बाधा होगी।
9. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर ले कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए। आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।
10. यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अंतर्गत अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता हो तो नांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
11. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्त पुस्तिका के प्राविधानों के अंतर्गत समय-सारिणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
12. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
13. समस्त चालू निर्माण कार्य, नए निर्माण कार्य, उपकरण व संयंत्र का क्रय, वाहन का क्रय एवं कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय की स्विकृतियों के लिए औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को पृथक से उपलब्ध कराए।
14. वीओएम-13 पर संकलित मासिक व्यय की सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
15. किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेंट रूल्स 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड -1 (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1(लेखा नियम) आय-व्यय सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
16. यह उल्लेखनीय है कि शासन के व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है। अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।
17. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-31 के अंतर्गत संलग्न तालिका में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जाएगा।
18. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 306(P)/XXVII-3/2009 दिनांक 11 अगस्त 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय।

( मनीषा पंवार )  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: संख्या-387 XVII-L/2009-10(31)/2009 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव-माओ मुखमन्त्री उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव-माओ समाज कल्याण मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. मण्डलायुक्त, गढ़वाल मण्डल एवं कुमायूँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. निदेशक, जनजाति कल्याण, देहरादून, उत्तराखण्ड।
8. समस्त जोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. वित्त (ध्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
10. सनरत, समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
11. समाज कल्याण नियोजन प्रजोष्ठ, सचिवालय, उत्तराखण्ड देहरादून।
12. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं सत्साधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
14. आदेश पत्रिका।

  
(धरेन्द्र सिंह दताल)  
उप सचिव।

शासनादेश संख्या- 787 XVII-1/2009-10(31)/2009

दिनांक 13 अगस्त, 2009 का संलग्नक

अनुदान संख्या-31

आयोजनागत

मतदेय

लेखाशीर्षक

2225-32-800-17-00

मुख्य शीर्षक

2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण।

उप मुख्य शीर्षक

02-अनुसूचित जनजातियों का कल्याण।

लघु शीर्षक

800-अन्य व्यय।

उप शीर्षक

17- अनुसूचित जनजातियों की पुत्रियों की शादी/बीमारो हेतु सहायता।

व्ययवार शीर्षक

00-

मानक मद्

20 - सहायक अनुदान/अनुदान/सजसहायता।

(धनराशि लाख रुपये में)

जनपद का नाम	धनराशि
नैनीताल	0.33
ऊधम सिंह नगर	7.41
अल्मोड़ा	0.55
पिथौरागढ़	2.20
बागेश्वर	1.10
सम्पात	0.55
देहरादून	1.93
पौड़ी	0.28
टिहरी	0.06
चमोली	0.33
उत्तरकाशी	0.26
रूद्रप्रयाग	0.00
हरिद्वार	0.00
योग	15.00

(रुपये पन्द्रह लाख मात्र)

(धीरेन्द्र सिंह दत्तल)  
उप सचिव।